६८२५ ६८०७ 30 Rs.

तीस रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

30 रु.

30 RS

THIRTY RUPEES

1000/- Tilaiya

No. 1281 to 1286

लेख्यकारी :- ① श्री खेदन मोदी पिता का नाम स्वर्गीय हेमलाल मोदी जाति वर्णवाल राष्ट्रीयता भारतीय पेशा व्यापार ग्राम बिजैया प्रगना बरसोत थाना बरही हाल मोकाम झुमरी तिलैया अन्दर नगर पालिका झुमरी तिलैया वार्ड नम्बर 11 ग्यारह पोस्ट झुमरी तिलैया प्रगना छोटे थाना कोडरमा हाल थाना तिलैया सब रजिस्ट्री कोडरमा डिस्ट्रीक्ट रजिस्ट्री को जिला हजारीबाग।

लेख्यधारी :- ① श्री लाटो मोदी ② श्री छोटू मोदी पिता का नाम स्वर्गीय हेमलाल मोदी जाति वर्णवाल राष्ट्रीयता भारतीय पेशा व्यापार ग्राम बिजैया प्रगना बरसोत थाना बरही हाल मोकाम झुमरी तिलैया अन्दर नगर पालिका झुमरी तिलैया वार्ड नम्बर 11 ग्यारह

राम किशोरी मोदी

10 RS.

दस रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

१० रू.

10 RS

TEN RUPEES

पोस्ट झुमरी तिलैया प्रगना गुमो थाना कोडरमा हाल
थाना तिलैया सब रजिस्ट्री कोडरमा डिस्ट्रीक्ट
रजिस्ट्री के जिला हजारी बाग।

लेख्यप्रकार: विक्रय पत्र केवाला बैएला कतई

किमत → मोबलग 1000/- एक हजार रुपैया नगद मात्र जिसका
आध्या मोबलग 500/- पाँच सौ रुपैया होता है

मालगुजारी मोबलग 15 पन्द्रह पैसा अलावे शेष

नाम मालिक स्टेट ऑफ बिहार अंचल कोडरमा अन्दर नगर पालिका
झुमरी तिलैया वार्ड नम्बर 11 ग्यारह तौजी नम्बर 28
अठाईस जिला हजारी बाग।

सम्पति → सम्पति मवाजी रकवा 0 . 3 1/3 — डिसमील जमीन
हकियत रैयती कायमी वाके मौजा झुमरी प्रगना गुमो
थाना कोडरमा हाल थाना तिलैया थाना नम्बर 12 बारह
के अन्दर खाता नम्बर 1 एक सब रजिस्ट्री कोडरमा
वो डिस्ट्रीक्ट रजिस्ट्री के जिला हजारी बाग।

यह कि उपरोक्त भूमि को आपने मन लिख्य
कारी बजरीये रजिस्ट्री केवाला द्वारा हासिल किये
है। जिसका बुक नम्बर 01 एक भोल्यूम नम्बर 8 वास्ते
1981 ईस्वी पेज नम्बर 156 से 158 तक डीड नम्बर
2662 रजिस्ट्री ऑफिस कोडरमा दिनांक 1 माह
12 सन 1980 ईस्वी।

राम किशोरी मोदी

10 Rs.

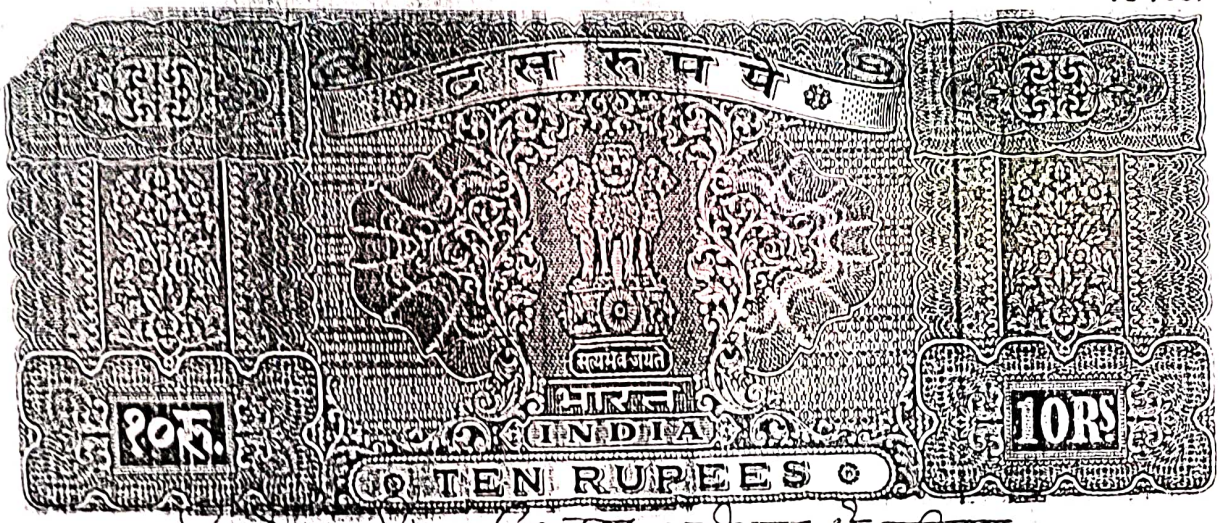

नौबस्ते काशी राम पिता खोचारी राम से हासिल किये हैं तब से मन लेख्यकारी उपरोक्त भूमि सम्पति पर शान्ति पूर्वक खास दखल कार चले आ रहे हैं। वो अभी भी है।

जिसे मन लेख्यकारी अपने दखल कबजे की भूमि सम्पति साथ लेख्यधारीगन के हाँथो बेबिक्री करते हैं

तसब पलौट किवा चौहद्दी जैल है।

सब रजिस्ट्री कोडरमा वो डिस्ट्रीक्ट रजिस्ट्री वो जिला हजारी बाग।

भूमि की तफशील

खाता नम्बर १एक मौजा गुमो प्रगना गुमो थाना कोडरमा हाल थाना तिलैयाथाना नम्बर १२ बारह सब रजिस्ट्री कोडरमा वो डिस्ट्रीक्ट रजिस्ट्री वो जिला हजारी बाग।

(१) प्लॉट नम्बर ५८४२ रकबा १६ डीसमील मध्ये रकबा ० ३ 1/3 डीसमील

चौहदी उत्तर रास्ता दक्षिण देव नारायण बर्णवाल पुरब शान्ति देवी पश्चिम लेख्यधारीगन

राम किशोर मोदी

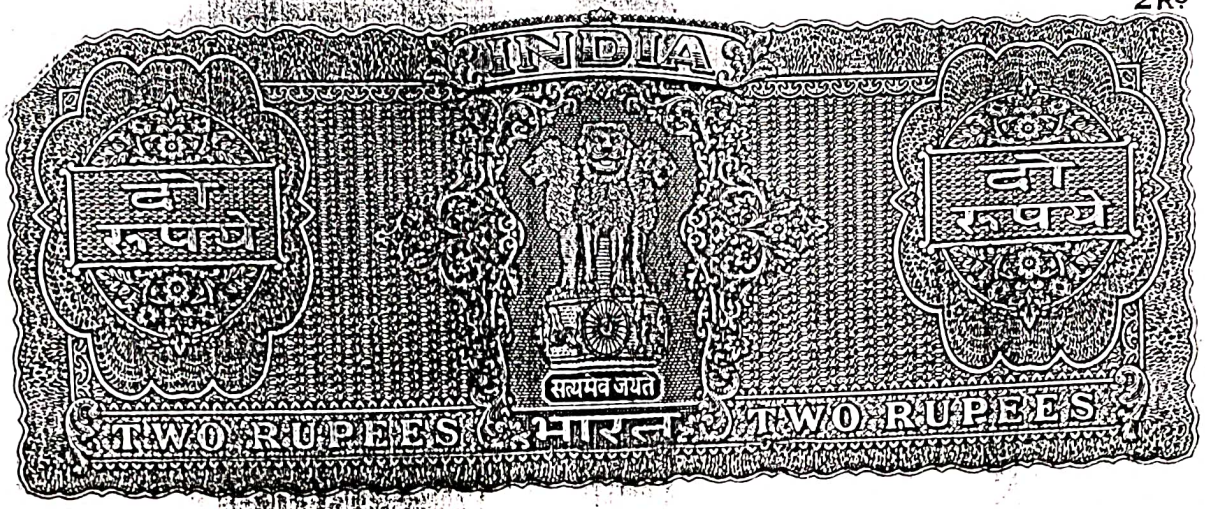

जमाखाता जमा प्लौट जमा रकबा
१एक १एक ०.२ 1/2 डिस्मील

विवरण → चुँ मन लेख्यकारी को वास्ते काम जायज वो जरूरी देन खुदरीया महाजनान के लिये वो मकान बनाने के लिये वो दिगर दिगर जरूरी काम के लिये रुपैया का मैतायत जरूरी वो सरोकार है बिना किये जमीन बिक्री रुपैया का मिलना मुश्किल है इसलिये हम लेख्यकारी ने साथ लेख्यधारीगण से आज के तारीख मे मोवलग 1000/- एक हजार रुपैया नगद पाकर रकबा मवाजी ०.२ 1/2 डिस्मील जमीन बेचा वो बैएला कलामी किये। वो दखल कार यादोंस्त वो खास दखल दे दिया वो हमेशा के लिये सुपुर्द किया। जिस प्रकार के हक हकुक दावा दखल वास्ता सरोकार लेख्यकारी मय वारीशान का था आ आईन्दे होता सो सभी प्रकार के हक हकुक दावा दखल वास्ता सरोकार लेख्य धारीगण मय वारीशान को किये। उपरोक्त खरीदगी भूमि पर खास दखल कार होकर वो रकबा अपने भोग वो तसरूफ मे दर लाया करे। चाहे लेख्यधारीगण अपने खरीदगी भूमि को रेहन रखे कम्पौन्ड दिलावे मकान बनावे कुआँ खुदवावे बाग बगीचा लगावे बैय बिक्री करे। चाहे जिस काबिल से अपना फैयदा वो मुनासिब समझे भोग वो तसरूफ मे दर लाया करे।

राम किशोरी मोदी

इसमें हम लेख्यकारी मय वारीशान को किसी प्रकार के उजूर इतराज नहीं है ना कभी भी भविष्य में होगा। उपरोक्त खरीददारी भूमि को अपना नाम अलग मालिक मौजा के बा सिरिस्ते में दाखिल खारीज करा कर अपने नाम से सालो साल सरकारी रसीद प्राप्त किया करें।
सैय विक्रय स्वदा सम्पति हर बारेदन से पाक व साफ है। बाद में किसी प्रकार के आरेदन पाये जाने पर पुरी देनदार हम लेख्यकारी मय वारीशान मय वाह मौकामियान होंगे।
सैय विक्रय स्वदा सम्पति का मूल्य तमाम कमाल वसुल पाया रुपए मोहरा बाकी जिसमें लेख्यकारीगन के पास नहीं रहा ना हाजत दिगर कबजूल वसुली रसीद कि कोई जायज व जरूरी नहीं रहा।
इसलिये हम लेख्यकारी ने अपने राजी खुशी से यह विक्रय पत्र केवाला लिख दिया जो वक्त पर काम आवे। आज दिनांक १२ माह ८ सन् १९८६ ईस्वी हाल मोकाम कोड़मा।

नोट - धारा ... के मौताबिक मैंने कोई लीखित प्रतिवेदन दाखिल नहीं किया है। धारा ... के मौताबिक मुझे कोई नोटिश नहीं मिली है। धारा १० व ११ के मौताबिक मेरा नाम (सिलिंग ऐक्ट) में दर्ज नहीं है।

सा० र.पे. पुनमोह
ता० १२।८।८६

राम किशोरी मोदी

लिपिकार व साक्षी → अर्जुन यादव ताईद ग्राम तिलैया बस्ती हाल मोकाम कोडरमा मैं अर्जुन यादव प्रमाणित करता हूँ कि लेख्यकारी को केवाला तमाम पढ़कर सुना व समझा दिया सुन समझ कर राजी खुशी ... कबूल मंजूर किया तब लेख्यकारी अपना सही बनाया तारीख १२ माह ८ सन् १९८६ ई०